02
अध्याय

भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक

1. परिचय

हमारे चारों ओर हर समय कई प्रकार की गतिविधियां संचालित होती हैं। लोग कई प्रकार के कार्य कर अपना जीविकोपार्जन करते हैं। कुछ लोग कृषि कार्य करते हैं, वही कुछ मजदूरी, नौकरी या व्यापार में भी लगे है। इन सभी कार्यों का मूल उद्देश्य आय प्राप्त करना है।महत्वपूर्ण मानकों के आधार पर इन कार्यों को कई प्रकार वर्गीकृत कर सकते है, जिन्हे क्षेत्रक कहते है। इस अध्याय में हम अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्र को का अध्ययन करेंगे।

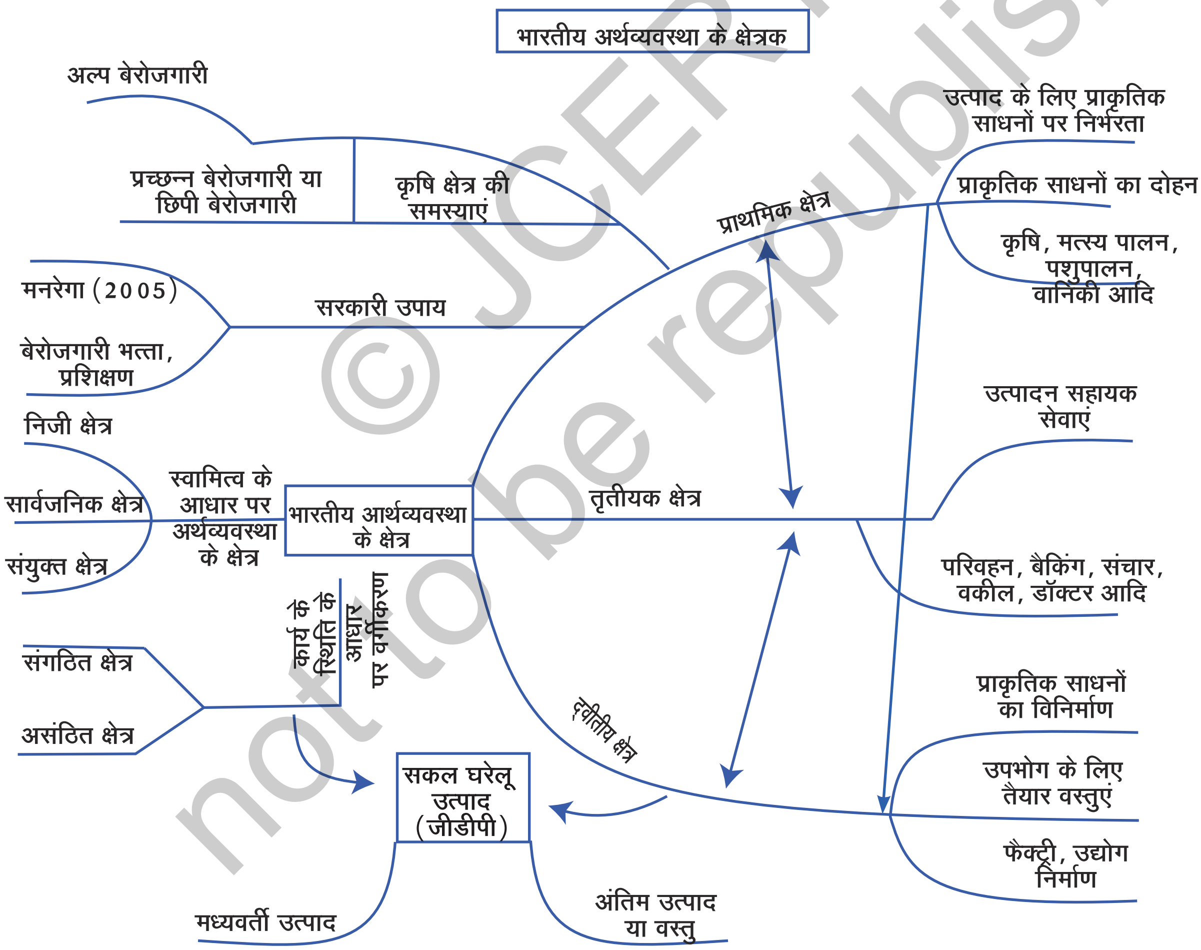

चित्र संख्या 2.1

© JCERT not to be republished

(1.1) आर्थिक क्रिया की प्रकृति के आधार पर अर्थव्यवस्था का वर्गीकरण

अर्थव्यवस्था क्या है?

अर्थव्यवस्था एक ऐसी प्रणाली है जिसमें समस्त आर्थिक कार्य संपादित होते हैं।

आर्थिक क्रिया क्या है?

ऐसे विभिन्न कार्य जिन से धन की प्राप्ति होती है आर्थिक क्रिया कहलाती है।

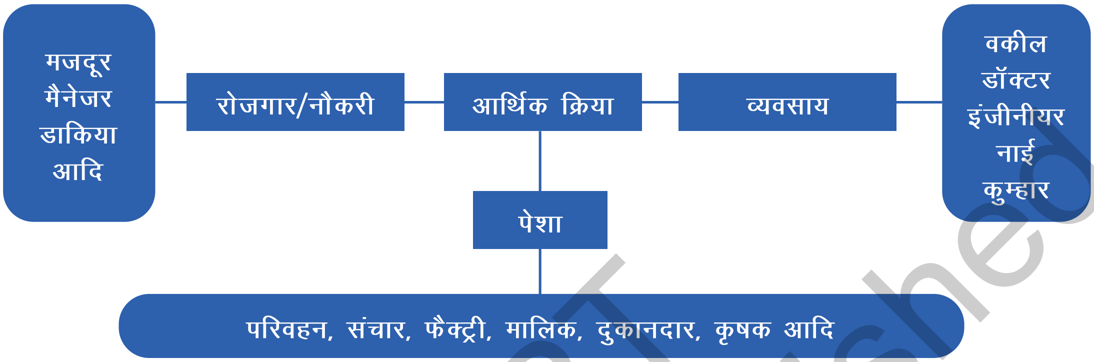

चित्र संख्या 2.2

चित्र संख्या 2.3

© JCERT not to be republished

(1.2) प्राथमिक क्षेत्र के अंतर्गत निम्नलिखित कार्य हैं :-

1. कृषि एवं सहायक कार्य–इसके अंतर्गत फसलों का उत्पादन, वानिकी, मधुमक्खी पालन, पशुपालन, मछली पालन, जैसे प्रकृति से जुड़े कार्य हैं।
2. खनन एवं उत्खनन – धरती के नीचे से खनिज पदार्थ निकालने को खनन कहते हैं वहीं पृथ्वी के सतह खनिज निकलना उत्खनन है।

(1.3) द्वितीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कार्य हैं :-

1. निर्माण – निर्माण का अर्थ किसी स्थायी संपति का निर्माण करना है।जैसे बांध, भवन आदि बनाना।
2. विनिर्माण – विनिर्माण का तात्पर्य किसी उपभोक्ता वस्तु के निर्माण से है। जैसे– कपड़ा, ब्रेड, फ्रीज, टीवी आदि का निर्माण करना।
3. प्रसंस्करण – इसका तात्पर्य प्राकृतिक कच्चे माल को उपयोगी बनाना है। जैसे – खेत से गेहूं लाकर उससे पहले आटा फिर रोटी बनाना।
4. उद्योग – जहां मशीनों की सहायता से वस्तुओं का उत्पादन होता है।
5. बिजली, गैस तथा जलापूर्ति भी द्वितीय क्षेत्र के अंतर्गत आते है।

(1.4) तृतीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कार्य हैं :-

1. व्यापार और वाणिज्य – उत्पादित वस्तुओं का क्रय विक्रय वाणिज्य, व्यापार है।
2. परिवहन – परिवहन एक सेवा है, जिसमे वक्तियों तथा उत्पादित वस्तुओं को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाते है। जैसे– रेल, हवाई जहाज, बस सेवा आदि।
3. संचार तथा दूरसंचार – संदेश, तथ्यों, तथा विचारो का आदान प्रदान संचार कहलाता है। जैसे टीवी, रेडियो, समाचार पत्र, टेलीफोन, इंटरनेट आदि।
4. पर्यटन – मनोरंजन के उद्देश्य से की गई यात्रा पर्यटन कहलाता है।
5. बैंकिंग, बीमा एवं वित्तीय सेवाएं, होटल, शिक्षा, चिकित्सा सेवा भी तृतीय क्षेत्र के अंतर्गत है।

(2) सकल घरेलू उत्पाद

किसी विशेष वर्ष में प्राथमिक क्षेत्र, द्वितीय क्षेत्र, तथा तृतीय क्षेत्र में उत्पादित सभी वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य के योगफल को सकल घरेलू उत्पाद कहते हैं।

1. सकल घरेलू उत्पाद की गणना में दोहरी गणना से बचने के लिए सिर्फ अंतिम वस्तुओं के उत्पाद के मौद्रिक मूल्य को ही जोड़ा जाता है।
2. सकल घरेलू उत्पाद की गणना भारत सरकार के मंत्रालय द्वारा की जाती है।

दोहरी गणना–

सकल घरेलू उत्पाद की गणना में जब एक ही वस्तु या सेवा का मूल्य एक से अधिक बार शामिल किया जाता है तो उसे दोहरी गणना कहते हैं।

© JCERT not to be republished

अंतिम वस्तु तथा मध्यवर्ती वस्तु –

वैसी वस्तुएं अंतिम वस्तु होती हैं जिनका उपभोग उपभोक्ता द्वारा किया जाता है, जबकि कच्चे माल के रूप में उपयोग की जाने वाली वस्तुएं मध्यवर्ती वस्तु कहलाती है।

उदाहरण के लिए रोटी यदि अंतिम वस्तु है तो यहां गेहू तथा आटा मध्यवर्ती वस्तु है।

(3) अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों की पारस्परिक निर्भरता

4. अर्थव्यवस्था के तीनों क्षेत्र एक दूसरे पर परस्पर निर्भर है। तीनों में से किसी एक की अनुपस्थिति अन्य दोनों क्षेत्रों पर नकारात्मक प्रभाव डालती है।
5. प्राथमिक क्षेत्र के विकास में द्वितीय क्षेत्र की तकनीक तथा तृतीय क्षेत्र की सेवाएं मददगार होती हैं।
6. द्वितीय क्षेत्र को कच्चा माल प्राथमिक क्षेत्र से मिलता है।
7. प्राथमिक तथा द्वितीयक क्षेत्र के विकास से ही तृतीय क्षेत्र का विकास होता है।

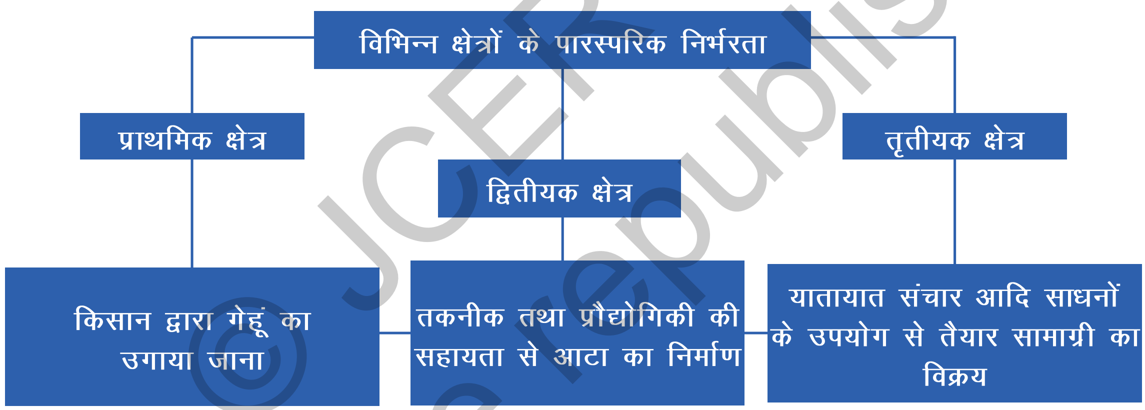

चित्र संख्या 2.4

(3.1) अर्थव्यवस्था के क्षेत्रों का ऐतिहासिक विकास

1. अर्थव्यवस्था के विकास के प्रारंभिक दौर में प्राथमिक क्षेत्र की प्रधानता रहती है।
2. जैसे–जैसे विकास की प्रक्रिया आगे बढ़ती है द्वितीय तथा तृतीय क्षेत्र विकसित होता है।
3. विकसित देशों में तृतीय क्षेत्र का योगदान अधिक होता है।.
4. परंतु अभी भी दो तिहाई लोग रोजगार के लिए प्राथमिक क्षेत्र पर ही निर्भर हैं।
5. राष्ट्रीय आय में उल्लेखनीय योगदान के बावजूद तृतीय क्षेत्र में रोजगार के अवसर पर्याप्त संख्या में नहीं बढ़े हैं।
6. प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्र के विकास के कारण, सूचना और प्रौद्योगिकी, व्यापार, परिवहन आदि, तृतीयक क्षेत्रक को प्रमुखता मिली ।

© JCERT not to be republished

- 2011–2012 में भारतीय जीडीपी में तृतीयक क्षेत्र की हिस्सेदारी लगभग 60%

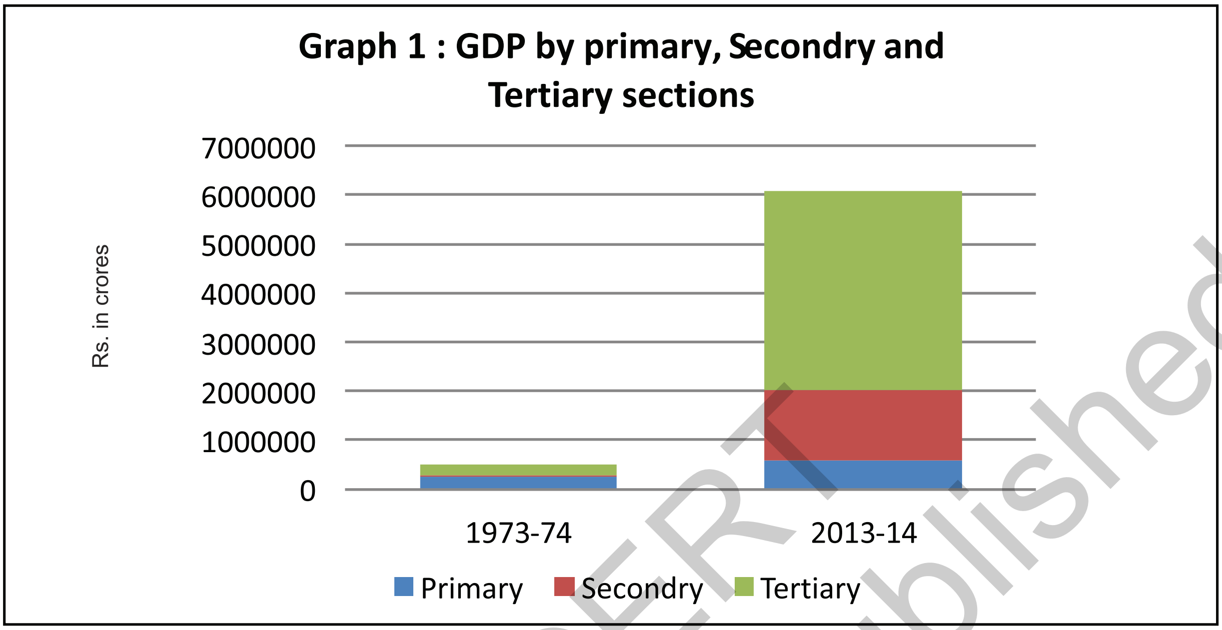

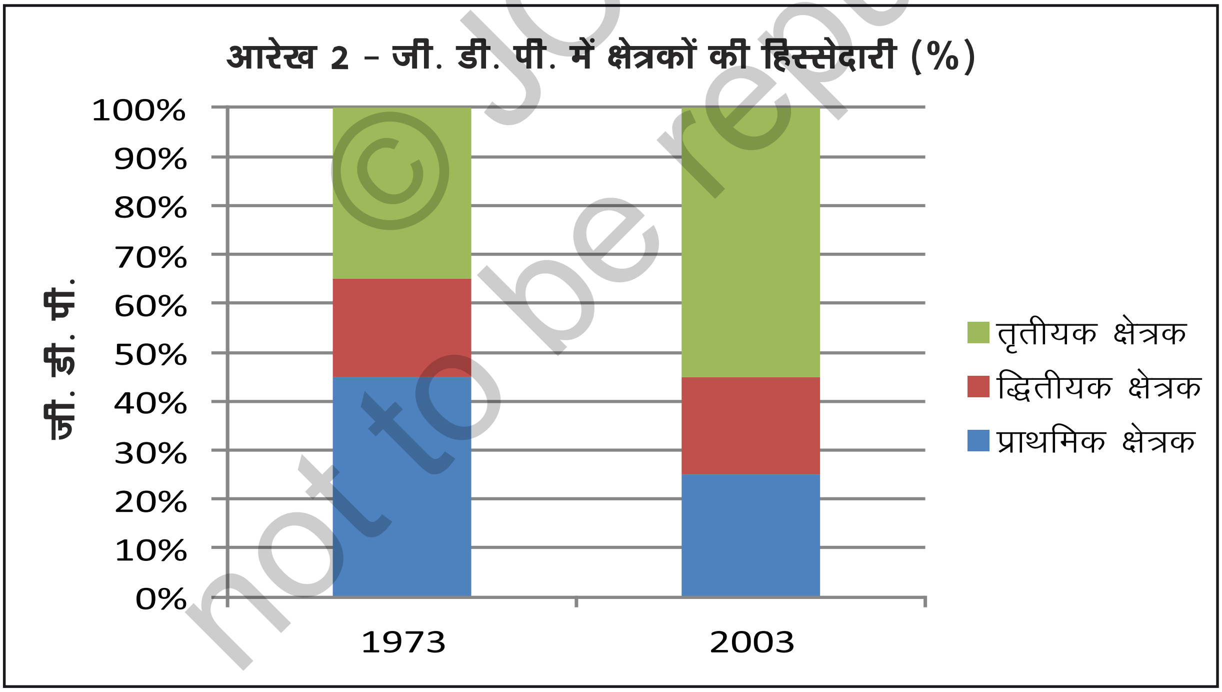

© JCERT not to be republished

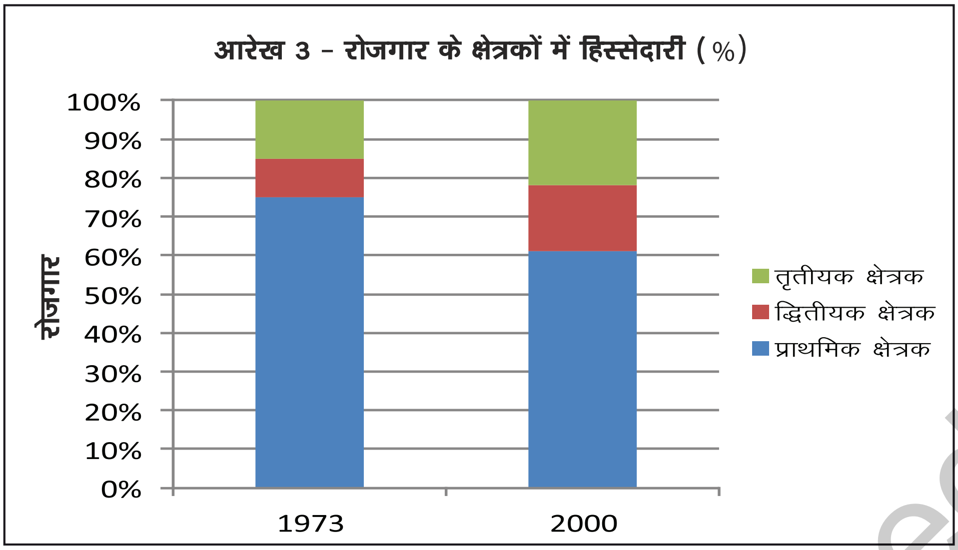

(3.2) अर्थव्यवस्था के क्षेत्रों का ऐतिहासिक विकास

1. आजादी के बाद 1973 तक प्राथमिक क्षेत्र का जीडीपी में योगदान सबसे अधिक था।
2. 1973 के बाद भारत में तृतीय क्षेत्र का प्रभाव तेजी से बढ़ा।
3. अस्पताल, स्कूल, डाक, रेल, रक्षा, परिवहन, संचार जैसी बुनियादी सुविधाओं पर सरकारी व्यय में वृद्धि हुई।
4. लोगों की आय में वृद्धि से पर्यटन, निजी स्कूल, निजी अस्पताल, पेशेवर प्रशिक्षण जैसी सेवाओं की मांग बढ़ी।
5. भंडारण, परिवहन व्यापार जैसी सेवाओं का विस्तार हुआ।

(4.) कार्य की स्थिति के आधार पर अर्थव्यवस्था का वर्गीकरण

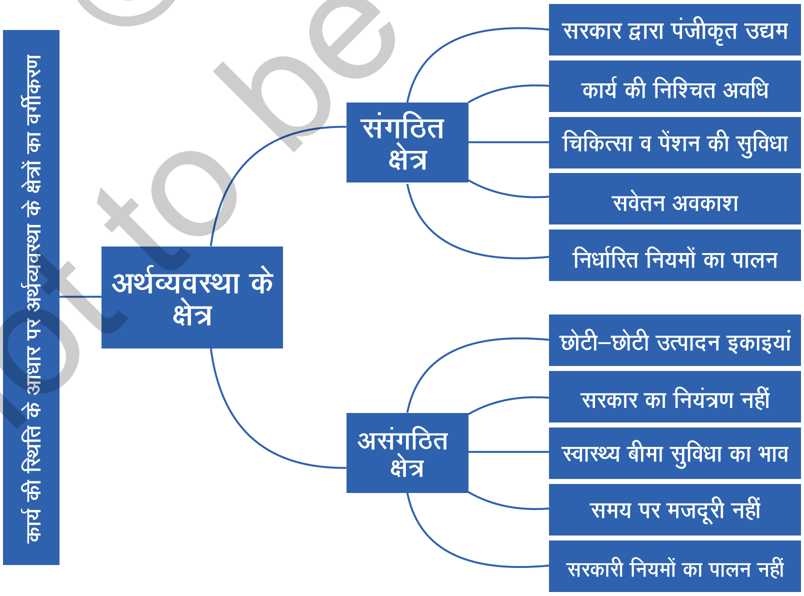

चित्र संख्या 2.5

© JCERT not to be republished

(4.1) असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के संरक्षण का उपाय–

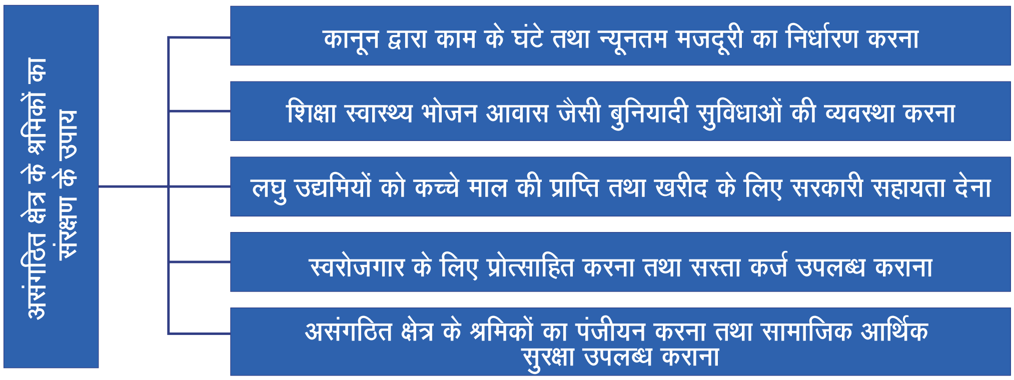

चित्र संख्या 2.6

(4.2) स्वामित्व के आधार पर अर्थव्यवस्था के क्षेत्रों का वर्गीकरण–

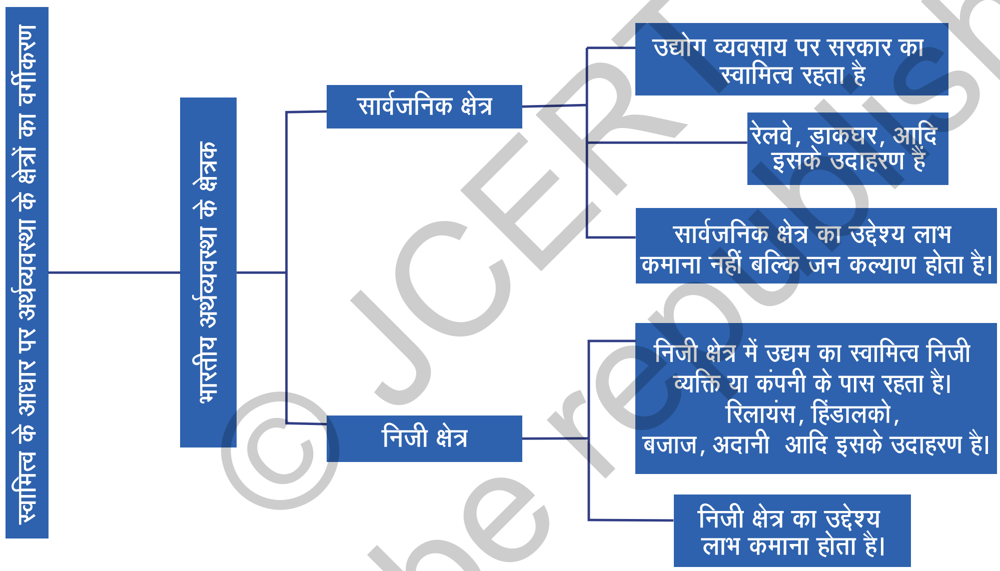

चित्र संख्या 2.7

(4.3) आर्थिक विकास में सरकार का दायित्व/कार्य

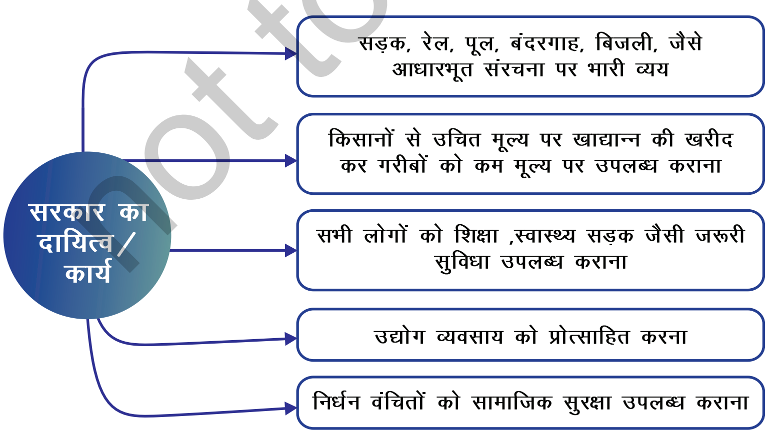

चित्र संख्या 2.8

© JCERT not to be republished

(5) बेरोजगारी की समस्या तथा निराकरण के सरकारी प्रयास

- आजादी के लंबे अंतराल के बाद भी प्राथमिक क्षेत्र से रोजगार का स्थानांतरण द्वितीय एवं तृतीय क्षेत्र में नहीं हुआ।
- द्वितीयक तथा तृतीय क्षेत्र में रोजगार के प्रयाप्त अवसर सृजित नहीं हुआ।
- इससे कृषि क्षेत्र पर अतिरिक्त दबाव बढ़ा।

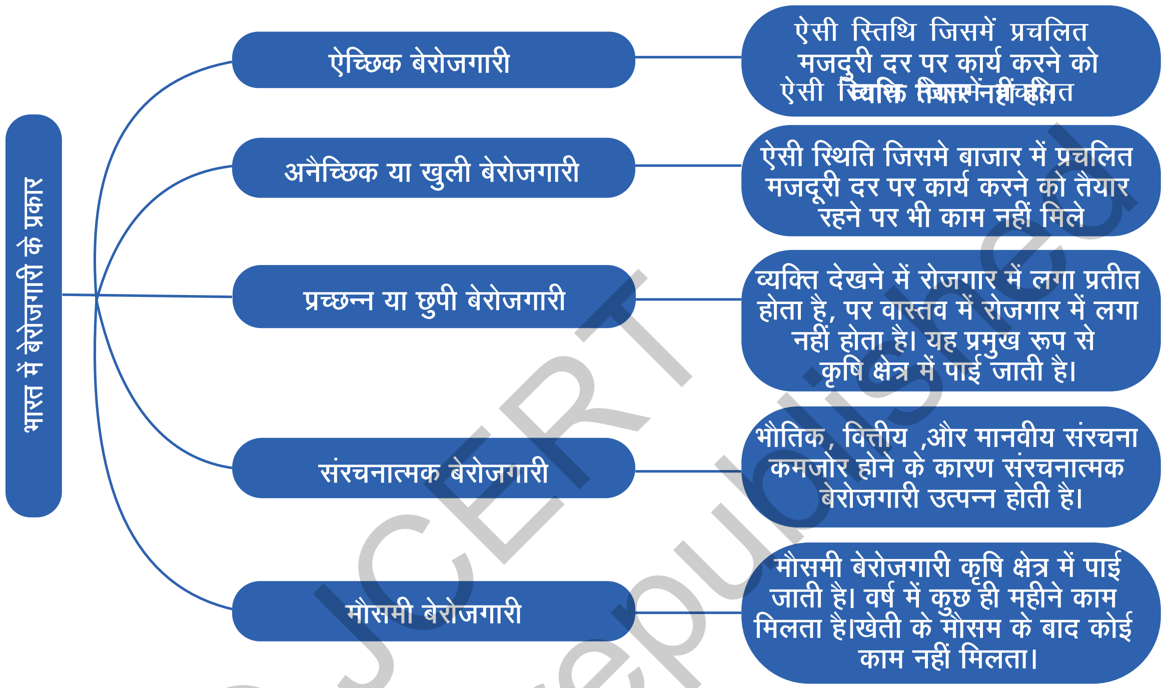

चित्र संख्या 2.9

(5.1) बेरोजगारी दूर करने के उपाय

1. **महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा)**

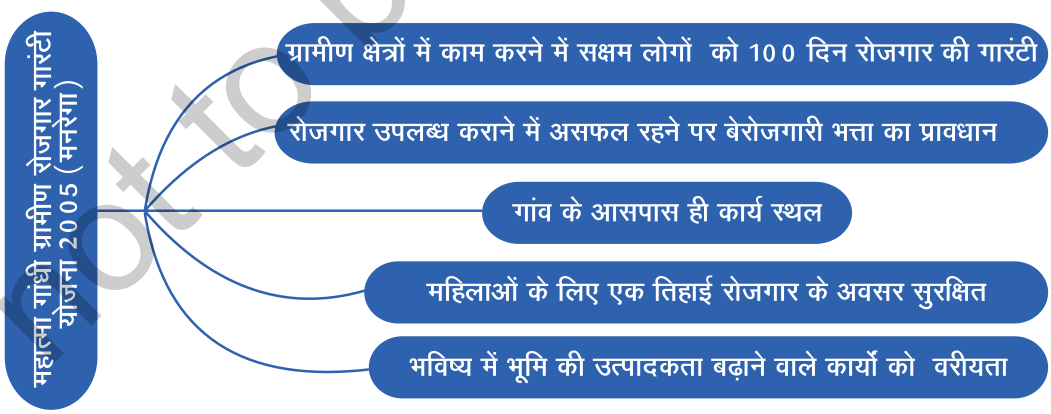

चित्र संख्या 2.10

© JCERT not to be republished

(5.2) रोजगार सृजन के अन्य उपाय

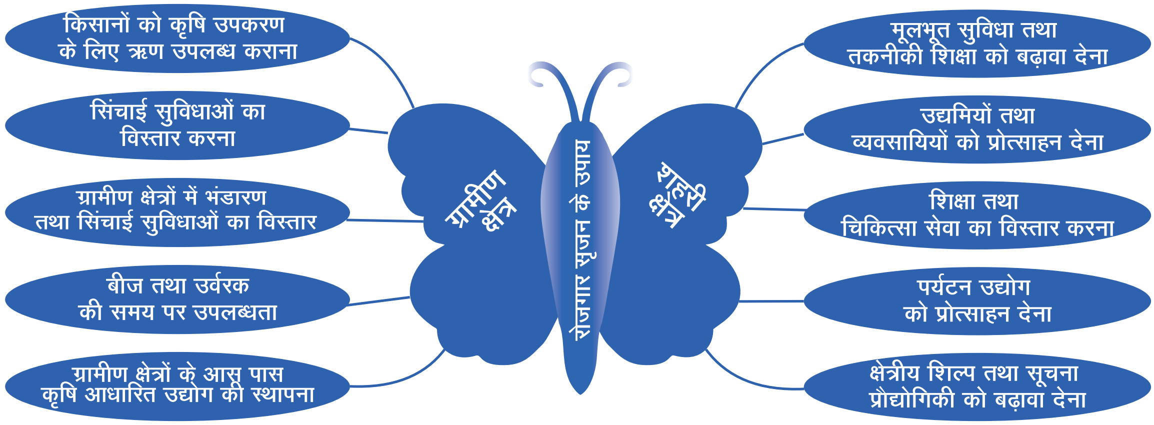

चित्र संख्या 2.11

बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर–

प्रश्न 1. अर्थव्यवस्था को सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में किस आधार पर वर्गीकृत किया जाता है?

(a) रोजगार की स्थिति (b) आर्थिक गतिविधि की प्रकृति

(c) उद्यमों का स्वामित्व (d) उद्यम में कार्यरत श्रमिकों की संख्या

उत्तर : (c) उद्यमों का स्वामित्व

प्रश्न 2. प्राथमिक क्षेत्र से संबंधित है

(a) कृषि (b) डेयरी, वानिकी

(c) मछली पकड़ना, खनन करना (d) उपरोक्त सभी

उत्तर : (d) उपरोक्त सभी

प्रश्न 3. विनिर्माण क्षेत्र से संबद्ध है

(a) प्राथमिक क्षेत्र (b) द्वितीयक क्षेत्र

(c) तृतीयक क्षेत्र (d) निजी क्षेत्र

उत्तर : (b) द्वितीयक क्षेत्र

प्रश्न 4. उत्पादन नहीं करते हैं :

(a) तृतीयक क्षेत्र (b) द्वितीयक क्षेत्र

(c) प्राथमिक क्षेत्र (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर : (a) तृतीयक क्षेत्र

© JCERT not to be republished

प्रश्न 5. प्रच्छन्न बेरोजगारी का मतलब ऐसी स्थिति से है जहाँ लोग

(a) बेरोजगार हैं

(b) नियोजित हैं लेकिन कम वेतन अर्जित करते हैं

(c) नियोजित हैं लेकिन उत्पादकता शून्य है

(d) थोड़े समय के लिए बेरोजगार हैं

उत्तर : (c) नियोजित हैं लेकिन उत्पादकता शून्य है

प्रश्न 6. सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों का मकसद हैः

(a) मुनाफा कमाना (c) मनोरंजन

(c) सामाजिक कल्याण और सुरक्षा (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर : (c) सामाजिक कल्याण और सुरक्षा

प्रश्न 7. निम्नलिखित में से कौन सा अधिनियम TISCO जैसी कंपनी पर लागू नहीं होगा ?

(a) न्यूनतम मजदूरी अधिनियम (b) राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम

(c) कारखानों का अधिनियम (d) ग्रच्युटी अधिनियम का भुगतान

उत्तर : (b) राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम

प्रश्न 8. सार्वजनिक उद्यम का स्वामित्व निम्नलिखित में से किसके पास होता है?

(a) निजी स्वामी (b) सरकार

उत्तर : (b) सरकार

प्रश्न 9. निम्न में कौन–सी क्रियाकला द्वितीयक क्षेत्रक के अंतर्गत आता है?

(a) यह वस्तुओं के स्थान पर सेवाएं उत्पन्न करता है

(b) प्राकृतिक उत्पादों को विनिर्माण द्वारा बदला जाता है।

(c) वस्तुओं को प्राकृतिक संसाधन के दोहन द्वारा उत्पादित किया जाता है।

(d) इसके अंतर्गत कृषि, वन तथा डेयरी आते है।

उत्तर : (b) प्राकृतिक उत्पादों को विनिर्माण द्वारा बदला जाता है।

प्रश्न 10. निम्नलिखित में से कौन सी आर्थिक गतिविधियाँ तृतीयक क्षेत्रक में नही आती ?

(a) बैकिंग (b) मधुमक्खी पालन

(c) अध्यापन (d) किसी कॉल सेन्टर में काम करना

उत्तर : (b) मधुमक्खी पालन

प्रश्न 11. निम्नलिखित में से कौन सा व्यवसाय तृतीयक क्षेत्रक के अन्तर्गत आता है?

(a) कृषि (b) दुग्धदु उत्पादन

© JCERT not to be republished

(c) संचार (d) वानिकी

उत्तर : (c) संचार

प्रश्न 12. सवेतन छुट्टी का प्रावधान किस क्षेत्रक में होता है?

(a) असंगठित क्षेत्रक (b) संगठित क्षेत्रक

(c) ग्रामीण क्षेत्रक (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर : (b) संगठित क्षेत्रक

प्रश्न 13. जी.डी.पी.का अर्थ है : सकल घरेलू उत्पाद।

(a) सही (b) गलत

उत्तर : (a) सही

प्रश्न 14. जब एक काम पर आवश्यकता से अधिक श्रमिक लगे हों उसे..................कहा जाता है।

(a) बेरोजगारी (b) मौसमी बेरोजगारी

(c) प्रच्छन्न बेरोजगारी (d) बेरोजगारी, मौसमी बेरोजगारी और प्रच्छन्न बेरोजगारी

उत्तर : (c) प्रच्छन्न बेरोजगारी

प्रश्न 15. ....क्षेत्रक के श्रमिक वस्तुओं का उत्पादन नहीं करते हैं।

(a) संगठित (b) असंगठित

(c) द्वितीय (d) तृतीय

उत्तर : (c) द्वितीय

प्रश्न 16. कपास एक................उत्पाद है।

(a) मानव निर्मित (b) विनिर्मित

(c) प्राकृतिक (d) महंगा

उत्तर : (c) प्राकृतिक

प्रश्न 17. प्राथमिक, द्वितीय, तृतीय क्षेत्रक की गतिविधियां................हैं।

(a) संगठित (b) असंगठित

(c) मानव निर्मित (d) परस्पर निर्भर

उत्तर : (d) परस्पर निर्भर

प्रश्न 18. राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम 2005 का उद्देश्य क्या हैं?

(a) ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की अवसर बढ़ाना

(b) श्रमिकों की साधारण अवस्था को सुधारना

(c) ऊपर के दोनो

© JCERT not to be republished

(d) कोई भी नहीं

उत्तर : (c) ऊपर के दोनो

प्रश्न 19. अर्थव्यवस्था में प्रत्येक क्षेत्र के अंतिम उत्पाद की ही गणना क्यो की जाती है?

(a) बेरोजगारी से बचने के लिए

(b) दोहरी गणना कि समस्या से बचने के लिए

(c) अधिक लागत की समस्या से बचने के लिए

(d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर : (b) दोहरी गणना कि समस्या से बचने के लिए।

प्रश्न 20. सेवा क्षेत्रक में शामिल गतिविधियों के उदाहरण हैं।

(a) परिवहन (b) भंडारण व व्यापार

(c) संचार व बैंकिंग (d) सभी।

उत्तर : (d) सभी।

प्रश्न 21. प्राकृतिक संसाधनों के द्वारा उत्पादन करने वाली गतिविधि कहलाती हैं –

(a) प्राथमिक सेवाएं (b) सेवा क्षेत्रक

(c) औद्योगिक क्षेत्र (d) व्यक्तिगत सेवाएं

उत्तर : (a) प्राथमिक सेवाएं।

प्रश्न 22. सार्वजनिक व निजी क्षेत्रक को किस आधार पर वर्गीकृत किया जाता है?

(a) द्वितीय क्षेत्रक के आधार पर (b) सेवा क्षेत्रक के आधार पर

(c) उद्यमों के स्वामित्व के आधार पर (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर : (c) उद्यमों के स्वामित्व के आधार पर।

प्रश्न 23. रोजगार गारंटी अधिनियम वर्ष.........................लागू किया गया ?

(a) 2012 में (b) 2005 में

(c) 2006 में (d) 2010 में

उत्तर : (c) 2006 में।

प्रश्न 24. प्राथमिक, द्वितीयक, और तृतीयक को.........................की दृष्टि से उत्पादन कार्यों को इन तीनों क्षेत्रों में विभाजित किया जाता है–

(a) वितरण (b) परिवर्तन

(c) महाजन (d) उत्पादन

उत्तर : (d) उत्पादन।

© JCERT not to be republished

प्रश्न 25. प्रच्छन्न बेरोजगारी का अन्य नाम है–

(a) अल्प बेरोजगारी (b) छिपी हुई बेरोजगारी

(c) दोनों (d) दोनों में से कोई नहीं

उत्तर : (c) दोनों।

प्रश्न 26. भारत में जी.डी.पी. ज्ञात करना जैसा कठिन कार्य............................द्वारा किया जाता है।

(a) केंद्र सरकार के मंत्रालय द्वारा (b) महाजनों द्वारा

(c) महात्मा गांधी द्वारा (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर : (a) केंद्र सरकार के मंत्रालय द्वारा

प्रश्न 27. एनएसएसओ का नया नाम?

(a) राष्ट्रीय नमूना कार्यालय (b) राष्ट्रीय सांख्यिकीय अंग

(c) राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (d) राष्ट्रीय सांख्यिकीय संगठन

उत्तर : (c) राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय

प्रश्न 28. NSO.................................मंत्रालय के अधीन संगठन है।

(a) नमूना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

(b) सांख्यिकी योजना एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

(c) सांख्यिकी और प्रोग्रामर कार्यान्वयन मंत्रालय

(d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर : (b) सांख्यिकी योजना एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

प्रश्न 29. ....उन गतिविधियों को शामिल करता है जिनमें प्राकृतिक उत्पादों को विनिर्माण के तरीकों के माध्यम से अन्य रूपों में बदल दिया जाता है जिन्हें हम औद्योगिक गतिविधि से जोड़ते हैं।

(a) सेवा क्षेत्र

(b) द्वितीय क्षेत्र

(c) प्राथमिक क्षेत्र

(d) कृषि और संबंधित क्षेत्र।

उत्तर : (b) द्वितीय क्षेत्र

प्रश्न 30. डेयरी, मछली पकड़ना, वानिकी ....का उदाहरण है

(a) सेवा क्षेत्र (b) द्वितीय क्षेत्र

(c) प्राथमिक क्षेत्र (d) तृतीयक क्षेत्र

उत्तर : (c) प्राथमिक क्षेत्र

© JCERT not to be republished

प्रश्न 31. प्राथमिक क्षेत्र को............................के रूप में भी जाना जाता है

(a) सेवा क्षेत्र

(b) द्वितीय क्षेत्र

(c) प्राथमिक क्षेत्र

(d) कृषि और संबंधित क्षेत्र

उत्तर : (d) कृषि और संबंधित क्षेत्र

प्रश्न 32. जब हम प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करके किसी वस्तु का उत्पादन करते हैं, तो यह........................ की गतिविधि है।

(a) सेवा क्षेत्र

(b) द्वितीय क्षेत्र

(c) प्राथमिक क्षेत्र

(d) औद्योगिक क्षेत्र

उत्तर : (c) प्राथमिक क्षेत्र

प्रश्न 33. परिवहन, भंडारण, संचार, बैंकिंग, व्यापार........................के कुछ उदाहरण हैं

(a) द्वितीय क्षेत्र

(b) प्राथमिक क्षेत्र

(c) तृतीयक क्षेत्र

(d) औद्योगिक क्षेत्र

उत्तर : (c) तृतीयक क्षेत्र

प्रश्न 34. तृतीयक क्षेत्र को............................भी कहा जाता है।

(a) सेवा क्षेत्र

(b) द्वितीय क्षेत्र

(c) प्राथमिक क्षेत्र

(d) औद्योगिक क्षेत्र

उत्तर : (a) सेवा क्षेत्र

प्रश्न 35. सोचिए अगर किसान किसी खास चीनी मिल को गन्ना बेचने से मना कर दें तो क्या होगा। मिल को बंद करना होगा।

यह क्या दिखाता है?

(a) तृतीयक क्षेत्र प्राथमिक पर निर्भर है।

(b) तृतीयक क्षेत्र औद्योगिक पर निर्भर है।

© JCERT not to be republished

(c) औद्योगिक क्षेत्र प्राथमिक पर निर्भर है।

(d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर : (c) औद्योगिक क्षेत्र प्राथमिक पर निर्भर है।

प्रश्न 36. कल्पना कीजिए कि कपास की खेती का क्या होगा यदि कंपनियां भारतीय बाजार से नहीं खरीदने का फैसला करती हैं और अन्य देशों से अपनी जरूरत का कपास आयात करती हैं। भारतीय कपास की खेती कम लाभदायक हो जाएगी और किसान दिवालिया भी हो सकते हैं, अगर वे जल्दी से अन्य फसलों पर स्विच नहीं कर सकते हैं। कपास की कीमतों में गिरावट आएगी।

यह क्या दिखाता है?

(a) तृतीयक क्षेत्र प्राथमिक पर निर्भर है।

(b) तृतीयक क्षेत्र औद्योगिक पर निर्भर है।

(c) औद्योगिक क्षेत्र प्राथमिक पर निर्भर है।

(d) प्राथमिक क्षेत्र द्वितीय क्षेत्र पर निर्भर है।

उत्तर : (d) प्राथमिक क्षेत्र द्वितीय क्षेत्र पर निर्भर है।

प्रश्न 37. किसान ट्रैक्टर, पंपसेट, बिजली, कीटनाषक और उर्वरक जैसे कई सामान खरीदते हैं। सोचिए अगर उर्वरकों या पंपसेटों के दाम बढ़ जाएं तो क्या होगा। किसानों की खेती की लागत बढ़ेगी और उनका मुनाफा कम होगा।

यह क्या दिखाता है?

(a) तृतीयक क्षेत्र प्राथमिक पर निर्भर है।

(b) तृतीयक क्षेत्र औद्योगिक पर निर्भर है।

(c) औद्योगिक क्षेत्र प्राथमिक पर निर्भर है।

(d) प्राथमिक क्षेत्र द्वितीय क्षेत्र पर निर्भर है।

उत्तर : (d) प्राथमिक क्षेत्र द्वितीय क्षेत्र पर निर्भर है।

प्रश्न 38. कुम्हार (व्यवसाय).........................के अंतर्गत आता है।

(a) सेवा क्षेत्र (b) द्वितीय क्षेत्र

(c) प्राथमिक क्षेत्र (c) औद्योगिक क्षेत्र

उत्तर : (c) प्राथमिक क्षेत्र

प्रश्न 39. कॉल सेंटर कर्मचारी (व्यवसाय)..........................के अंतर्गत आता है।

(a) सेवा क्षेत्र (b) द्वितीय क्षेत्र

(c) प्राथमिक क्षेत्र (c) औद्योगिक क्षेत्र

उत्तर : (a) सेवा क्षेत्र

© JCERT not to be republished

प्रश्न 40. दूध विक्रेता (व्यवसाय)......................के अंतर्गत आता है।

(a) सेवा क्षेत्र (b) द्वितीय क्षेत्र

(c) प्राथमिक क्षेत्र (d) औद्योगिक क्षेत्र

उत्तर : (a) सेवा क्षेत्र

प्रश्न 41. दर्जी (व्यवसाय)....................के अंतर्गत आता है।

(a) सेवा क्षेत्र (b) द्वितीय क्षेत्र

(c) प्राथमिक क्षेत्र (d) औद्योगिक क्षेत्र

उत्तर : (a) सेवा क्षेत्र

प्रश्न 42. किसी विशेष वर्ष के दौरान प्रत्येक क्षेत्र में उत्पादित अंतिम वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य उस वर्ष के लिए क्षेत्र के कुल उत्पादन को...........................कहा जाता है

(a) जीएनपी (b) जीडीपी

(c) यूपीएससी (d) एसएससी

उत्तर : (b) जीडीपी

प्रश्न 43.. जीडीपी का फुल फॉर्म?

(a) वैश्विक घरेलू उत्पाद (b) सकल घरेलू उत्पाद

(c) सकल घरेलू पैकेट (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर : (b) सकल घरेलू उत्पाद

प्रश्न 44. आम तौर पर, कई, अब विकसित देषों के इतिहास से यह नोट किया गया है कि विकास के प्रारंभिक चरणों में,....................................आर्थिक गतिविधि का सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र था।

(a) सेवा क्षेत्र

(b) द्वितीय क्षेत्र

(c) प्राथमिक क्षेत्र

(d) औद्योगिक क्षेत्र

उत्तर : (c) प्राथमिक क्षेत्र

© JCERT not to be republished

Graph 1 : GDP by primary, Secondry and Tertiary sections

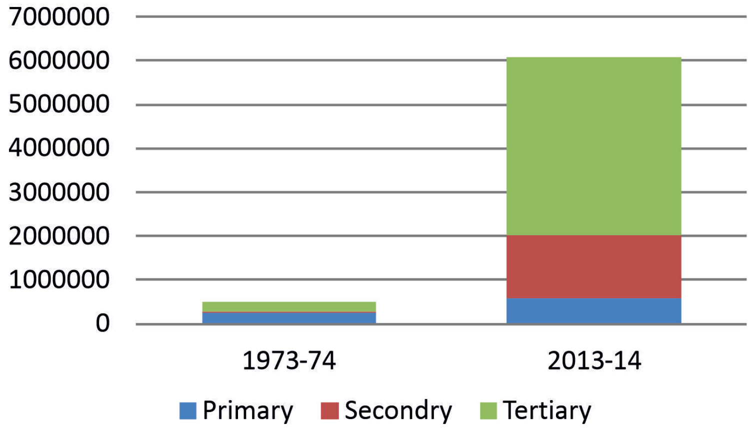

प्रश्न 45. 1973–74 में सबसे बड़ा उत्पादक क्षेत्र कौन सा था?

(a) तृतीयक क्षेत्र (c) द्वितीय क्षेत्र

(c) प्राथमिक क्षेत्र (d) औद्योगिक क्षेत्र

उत्तर : (c) प्राथमिक क्षेत्र

प्रश्न 46. 2013–14 में सबसे बड़ा उत्पादक क्षेत्र कौन सा है?

(a) तृतीयक क्षेत्र (b) द्वितीय क्षेत्र

(c) प्राथमिक क्षेत्र (d) औद्योगिक क्षेत्र

उत्तर : (a) तृतीयक क्षेत्र

प्रश्न 47. क्या आप बता सकते हैं कि चालीस वर्षों में किस क्षेत्र में सबसे अधिक वृद्धि हुई है?

(a) तृतीयक क्षेत्र (b) द्वितीय क्षेत्र

(c) प्राथमिक क्षेत्र (d) औद्योगिक क्षेत्र

उत्तर : (a) तृतीयक क्षेत्र

प्रश्न 48. निम्नलिखित में से कौन सा कारण तृतीयक क्षेत्र के बढ़ते महत्व का कारण नहीं है?

(a) किसी भी देश में कई सेवाओं जैसे अस्पताल, शैक्षणिक संस्थान, पोस्ट और टेलीग्राफ सेवाएं, पुलिस स्टेशन, अदालतें, ग्राम प्रशासनिक कार्यालय, नगर निगम, रक्षा, परिवहन, बैंक, बीमा कंपनियां इत्यादि की आवृयकता होती है। इन्हें बुनियादी सेवाओं के रूप में माना जा सकता है। एक विकासशील देश में सरकार को इन सेवाओं के प्रावधान की जिम्मेदारी लेनी पड़ती है।

(b) कृषि और उद्योग के विकास से परिवहन, व्यापार, भंडारण और इसी तरह की सेवाओं का विकास होता है, जैसा कि हम पहले ही देख चुके हैं। प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्रों का जितना अधिक विकास होगा, ऐसी सेवाओं की मांग उतनी ही अधिक होगी।

© JCERT not to be republished

(c) तीसरा, जैसे–जैसे आय का स्तर बढ़ता है, लोगों के कुछ वर्ग बाहर खाने, पर्यटन, खरीदारी, निजी अस्पताल, निजी स्कूल, पेशेवर प्रशिक्षण इत्यादि जैसी कई और सेवाओं की मांग करना शुरू कर देते हैं। आप शहरों में विशेष रूप से बड़े पैमाने पर इस बदलाव को काफी तेजी से देख सकते हैं।

(d) रोजगार के आंकड़े राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन (एनएसएसओ) द्वारा आयोजित रोजगार और बेरोजगारी पर पंचवर्षीय सर्वेक्षणों से लिए गए आंकड़ों पर आधारित हैं, जिन्हें अब राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के रूप में जाना जाता है। एनएसओ सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के तहत एक संगठन है

उत्तरः (d) रोजगार के आंकड़े राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन (एनएसएसओ) द्वारा आयोजित रोजगार और बेरोजगारी पर पंचवर्षीय सर्वेक्षणों से लिए गए आंकड़ों पर आधारित हैं, जिन्हें अब राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के रूप में जाना जाता है। एनएसओ सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के तहत एक संगठन है

प्रश्न 49. योजना आयोग का नया नाम क्या है?

(a) सिटी आयोग (b) नीति आयोग

(c) पीआईटीआई आयोग (d) फिटी आयोग

उत्तर : (b) नीति आयोग

प्रश्न 50. मनरेगा का पूर्ण रूप क्या है?

(a) महात्मा गांधी राष्ट्रीय रुपया रोजगार गारंटी अधिनियम

(b) महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम

(c) महात्मा गांधी राष्ट्र ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम

(d) महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम

उत्तर : (d) महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम

प्रश्न 51. मनरेगा 2005 को..............................कहा जाता है

(a) स्वतंत्रता का अधिकार (b) काम करने का अधिकार

(c) शिक्षा का अधिकार (d) समानता का अधिकार

उत्तर : (b) काम करने का अधिकार

प्रश्न 52. कांता एक आफिस में काम करती है। वह सुबह 9.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक अपने कार्यालय में आती है। उसे हर महीने के अंत में नियमित रूप से वेतन मिलता है। वेतन के अलावा, उसे सरकार द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार भविष्य निधि भी मिलती है। उसे चिकित्सा और अन्य भत्ते भी मिलते हैं। कांता रविवार को कार्यालय नहीं जाती है। यह एक सशुल्क अवकाश है। जब वह काम पर आई, तो उसे काम के सभी नियमों और शर्तों को बताते हुए एक नियुक्ति पत्र दिया गया।

© JCERT not to be republished

कांता किस सेक्टर में काम करता है?

(a) असंगठित क्षेत्र
(b) संगठित क्षेत्र
(c) बेरोजगार क्षेत्र
(d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर : (b) संगठित क्षेत्र

प्रश्न 53. कमल कांता का पड़ोसी है। वह पास की किराना दुकान में दिहाड़ी मजदूर है। वह सुबह 7:30 बजे दुकान पर जाता है और रात 8:00 बजे तक काम करता है। शाम के समय। उसे वेतन के अलावा कोई अन्य भत्ता नहीं मिलता है। जिस दिन वह काम नहीं करता, उसका भुगतान नहीं किया जाता है। इसलिए उसके पास कोई अवकाश या सवेतन अवकाश नहीं है। न ही उन्हें यह कहते हुए कोई औपचारिक पत्र दिया गया कि उन्हें दुकान में नियुक्त किया गया है। उसे अपने नियोक्ता द्वारा कभी भी छोड़ने के लिए कहा जा सकता है।

कमल किस सेक्टर में काम करता है?

(a) असंगठित क्षेत्र
(b) संगठित क्षेत्र
(c) बेरोजगार क्षेत्र
(d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर : (a) असंगठित क्षेत्र

प्रश्न 54. निम्नलिखित में से कौन सा उदाहरण असंगठित क्षेत्र के अंतर्गत नहीं आता है?

(a) एक किसान अपने खेत की सिंचाई कर रहा है।
(b) एक ठेकेदार के लिए काम करने वाला एक दिहाड़ी मजदूर।
(c) एक अस्पताल में एक डाक्टर एक मरीज का इलाज कर रहा है
(d) एक हथकरघा बुनकर अपने घर में करघे पर काम कर रही है।

उत्तर : (c) एक अस्पताल में एक डाक्टर एक मरीज का इलाज कर रहा है

प्रश्न 55. निम्नलिखित में से कौन सा असंगठित क्षेत्र में कामगारों की सुरक्षा का तरीका नहीं है?

(a) सरकार न्यूनतम मजदूरी दर और काम के घंटे तय कर सकती है
(b) सरकार श्रमिकों को शिक्षा, स्वास्थ्य और भोजन जैसी सस्ती और सस्ती बुनियादी सेवाएं प्रदान कर सकती है
(c) सरकार नए कानून बना सकती है जो ओवरटाइम, बीमारी के कारण भुगतान छुट्टी आदि के प्रावधान प्रदान करती है।
(d) प्रत्येक असंगठित क्षेत्र के कार्यकर्ता को सरकारी नौकरी प्रदान करना

उत्तर : (d) प्रत्येक असंगठित क्षेत्र के कार्यकर्ता को सरकारी नौकरी प्रदान करना

प्रश्न 56. रेलवे.........................का एक उदाहरण है

(a) निजी क्षेत्र
(b) सार्वजनिक क्षेत्र
(c) प्राथमिक क्षेत्र
(d) असंगठित क्षेत्र

उत्तर : (b) सार्वजनिक क्षेत्र

© JCERT not to be republished

प्रश्न 57. टिस्को का फुल फार्म?

(a) टाटा सूचना और सॉफ्टवेयर कंपनी लिमिटेड

(b) टाटा आयरन एंड स्टील कंपनी लिमिटेड

(c) टाटा सूचना और शीतल पेय कंपनी लिमिटेड

(d) टाटा आयरन एंड साफ्टवेयर कंपनी लिमिटेड

उत्तर : (b) टाटा आयरन एंड स्टील कंपनी लिमिटेड

प्रश्न 58. निम्नलिखित में से कौन सा सार्वजनिक क्षेत्र की विशेषता नहीं है?

(a) रोजगार सुरक्षित है (b) सरकार अधिकांश संपत्ति का मालिक है

(c) मुख्य उद्देश्य लोक कल्याण है (d) मुख्य उद्देश्य लाभ कमाना

उत्तर : (d) मुख्य उद्देश्य लाभ कमाना

प्रश्न 59. किसी राष्ट्र के विकास में बड़ी निजी कंपनियां कैसे योगदान करती हैं?

(a) विज्ञापनों के माध्यम से अपने उत्पादों की मांग बढ़ाकर।

(b) उनके मुनाफे में वृद्धि करके।

(c) औद्योगिक वस्तुओं के निर्माण में देश की उत्पादकता बढ़ाकर।

(d) अमीरों के लिए निजी अस्पताल की सुविधा प्रदान करके।

उत्तर : (c) औद्योगिक वस्तुओं के निर्माण में देश की उत्पादकता बढ़ाकर।

प्रश्न 60. बाजार में उपभोक्ता के लिए बिस्कुट एक..................................है

(a) अंतिम वस्तु (b) इंटरमीडिएट अच्छा

(c) अच्छा (d) सेवाएं

उत्तर : (a) अंतिम वस्तु

© JCERT not to be republished

प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. कोष्ठक में दिए गए सही विकल्प का प्रयोग कर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

(क) सेवा क्षेत्रक में रोजगार में उत्पादन के समान अनुपात में वृद्धि.............................। (हुई है/नहीं हुई है)

(ख) ....क्षेत्रक के श्रमिक वस्तुओं का उत्पादन नहीं करते हैं। (तृतीयक/कृषि)

(ग) ....क्षेत्रक के अधिकांश श्रमिकों को रोजगार–सुरक्षा प्राप्त होती है। (संगठित/असंगठित)

(घ) भारत में.............................संख्या में श्रमिक असंगठित क्षेत्रक में काम कर रहे हैं। (बड़ी/छोटी)

(ङ) कपास एक.......................उत्पाद है और कपड़ा एक..........................उत्पाद है। (प्राकृतिक/विनिर्मित)

(च) प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्रक की गतिविधियाँ................................हैं। (स्वतंत्र/परस्पर निर्भर)

उत्तर :

(क) नहीं हुई है (ख) तृतीयक

(ग) संगठित (घ) बड़ी

(ङ) प्राकृतिक, विनिर्मित (च) परस्पर निर्भर ।

प्रश्न 2. सही उत्तर का चयन करें

(अ) सार्वजनिक और निजी क्षेत्रक आधार पर विभाजित हैं।

(क) रोजगार की शर्तें

(ख) आर्थिक गतिविधि के स्वभाव

(ग) उद्यमों के स्वामित्व

(घ) उद्यम में नियोजित श्रमिकों की संख्या

(ब) एक वस्तु का अधिकांशतः प्राकृतिक प्रक्रिया से उत्पादन .... क्षेत्रक की गतिविधि है।

(क) प्राथमिक

(ख) द्वितीयक

(ग) तृतीयक

(घ) सूचना प्रौद्योगिकी

© JCERT not to be republished

(स) किसी वित्तीय वर्ष में उत्पादित...............................के मूल्य के कुल योगफल को जी०डी०पी० कहते हैं।

(क) सभी वस्तुओं और सेवाओं

(ख) सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं

(ग) सभी मध्यवर्ती वस्तुओं और सेवाओं

(घ) सभी मध्यवर्ती एवं अंतिम वस्तुओं और सेवाओं

(द) जी०डी०पी० के मदों में वर्ष 2003 में तृतीयक क्षेत्र की हिस्सेदारी.......................है।

(क) 20 प्रतिशत से 30 प्रतिशत के बीच

(ख) 30 प्रतिशत से 40 प्रतिशत के बीच

(ग) 50 प्रतिशत से 60 प्रतिशत के बीच

(घ) 70 प्रतिशत ।

उत्तर : (अ) – (ग) उद्यमों के स्वामित्व

(ब) – (क) प्राथमिक

(स) – (ख) सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं

(द) – (ग) 50 प्रतिशत से 60 प्रतिशत के बीच

प्रश्न 3. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए

कृषि क्षेत्रक की समस्याएँ	**कुछ संभावित उपाय**
1. असिंचित भूमि	(अ) कृषि–आधारित मिलों की स्थापना
2. फसलों का कम मूल्य	(ब) सहकारी विपणन समिति
3. कर्ज भार	(स) सरकार द्वारा खाद्यान्नों की वसूली
4. मंदी काल में रोजगार का अभाव	(द) सरकार द्वारा नहरों का निर्माण
5. कटाई के तुरंत बाद स्थानीय व्यापारियों को अपना अनाज बेचने की विवशता	(य) कम ब्याज पर बैंकों द्वारा साख उपलब्ध कराना।

उत्तर : 1. (द)

2. (ब)

3. (य)

4. (अ)

5. (स)

© JCERT not to be republished

प्रश्न 4. असंगत की पहचान करें और बताइए क्यों?

(क) पर्यटन–निर्देशक, धोबी, दर्जी, कुम्हार

(ख) शिक्षक, डाक्टर, सब्जी विक्रेता, वकील

(ग) डाकिया, मोची, सैनिक, पुलिस कांस्टेबल

उत्तर : (क) पर्यटन–निर्देशक असंगत है, क्योंकि धोबी, दर्जी, कुम्हार आर्थिक गतिविधियों में लगे हैं जिससे उन्हें धन प्राप्त हो रहा है जबकि पर्यटन–निर्देशक अनार्थिक क्रिया कर रहा है।

(ख) सब्जी विक्रेता असंगत है, क्योंकि बाकी तीनों तृतीयक क्षेत्रक में लगे हैं, जबकि सब्जी विक्रेता तृतीयक क्षेत्रक में नहीं आता।

(ग) मोची असंगत हैं, क्योंकि डाकिया, सैनिक, पुलिस कांस्टेबल सार्वजनिक क्षेत्रक में आते हैं जबकि मोची निजी क्षेत्रक में है।

प्रश्न 5. एक शोध छात्र ने सूरत शहर में काम करने वाले लोगों से मिलकर निम्न आँकड़े जुटाए

कार्य स्थान	रोजगार की प्रकृति	श्रमिकों का प्रतिशत
सरकार द्वारा पंजीकृत कार्यालयों और कारखानों में	संगठित	15
औपचारिक अधिकार –पत्र सहित बाजारों में अपनी दुकान, कार्यालय और क्लिनिक		15
सड़कों पर काम करते लोग। निर्माण श्रमिक, घरेलू श्रमिक		20
छोटी कार्यशालाएँ, जो प्रायः सरकार द्वारा पंजीकृत हैं		

तालिका को पूरा कीजीए। इस शहर में असंठित क्षेत्रक में श्रमिकों की प्रतिशतता क्या है?

उत्तर :

कार्य स्थान	रोजगार की प्रकृति	श्रमिकों का प्रतिशत
सरकार द्वारा पंजीकृत कार्यालयों और कारखानों में	संगठित	15
औपचारिक अधिकार –पत्र सहित बाजारों में अपनी दुकान, कार्यालय और क्लिनिक	संगठित	15
सड़कों पर काम करते लोग। निर्माण श्रमिक, घरेलू श्रमिक	असंगठित	20
छोटी कार्यशालाएँ, जो प्रायः सरकार द्वारा पंजीकृत हैं	असंगठित	50

इस शहर में असंगठित क्षेत्रक में श्रमिकों की संख्या 70 प्रतिशत है।

© JCERT not to be republished

प्रश्न 6. क्या आप मानते हैं कि आर्थिक गतिविधियों का प्राथमिक, द्वितीयक एवं तृतीयक क्षेत्र में विभाजन की उपयोगिता है? व्याख्या कीजिए कि कैसे?

उत्तर : समाज में लोग अपनी आजीविका कमाने के लिए विभिन्न प्रकार की आर्थिक गतिविधियों में लगे रहते हैं। कोई वस्तुओं का उत्पादन करता है, कोई वस्तुओं को बेचता है या फिर अन्य काम में लगे रहते हैं। इन सब आर्थिक क्रियाओं को तभी समझा जा सकता है जब उन्हें विभिन्न वर्गों में विभाजित किया जाए। इसलिए विभिन्न आर्थिक क्रियाओं को प्राथमिक, द्वितीयक तथा तृतीयक क्षेत्र में बाँट कर उन्हें समझने का प्रयास किया गया है।

प्राथमिक क्षेत्र में केवल वे क्रियाएँ शामिल की गई हैं जो प्राकृतिक संसाधनों का प्रयोग करके ही की जा सकती हैं, जैसे–कृषि कार्य, पशुपालन आदि। द्वितीयक क्षेत्र में वे क्रियाएँ शामिल हैं जो प्राथमिक क्षेत्र के संसाधनों का प्रयोग करके विभिन्न वस्तुओं का निर्माण करती हैं, जैसे–गन्ने से चीनी बनाना तथा कपास से कपड़ा तैयार करना । तृतीयक क्षेत्र में किसी वस्तु का निर्माण न करके केवल सेवाएँ प्रदान की जाती हैं, जैसे–बैंकिंग, परिवहन तथा संचार सेवाएँ आदि। ये महत्वपूर्ण क्रियाएँ हैं क्योंकि अन्य दोनों प्रकार की क्रियाओं का विकास इन्हीं पर निर्भर करता है।

प्रश्न 7 . इस अध्याय में आए प्रत्येक क्षेत्रकों को रोजगार और सकल घरेलू उत्पाद (जी०डी०पी०) पर ही क्यों केन्द्रित करना चाहिए? चर्चा करें।

उत्तरः इस अध्याय में आए प्रत्येक क्षेत्र को रोजगार और सकल घरेलू उत्पाद पर ही केंद्रित करना चाहिए क्योंकि ये दोनों, रोजगार और सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। यही हमारी पंचवर्षीय योजनाओं के प्राथमिक लक्ष्य भी रहे हैं। हमने जाना कि तीनों क्षेत्रकों का सकल घरेलू उत्पाद और रोजगार में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। समय के साथ–साथ तीनों क्षेत्रकों के योगदान में वृद्धि हुई है। परंतु सकल घरेलू उत्पाद में सबसे अधिक योगदान तृतीयक क्षेत्र का रहा है। हम जानते हैं कि रोजगार सभी क्षेत्रों में बढ़ा है किंतु अभी भी भारत की लगभग 60% जनता प्राथमिक क्षेत्रक में लगी हुई है। यह सारी जानकारी हमें तभी मिल पाई है जब हमने उनका सकल घरेलू उत्पाद तथा रोजगार के क्षेत्र में मूल्यांकन कर लिया है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक क्षेत्र को सकल घरेलू उत्पाद और रोजगार से जोड़कर कई लक्ष्य प्राप्त किए जा सकते हैं जैसे–गरीबी निवारण, आधुनिक तकनीक का विकास तथा आर्थिक क्षेत्र में विकास की असमानताओं को कम करना आदि।

प्रश्न 8. जीविका के लिए काम करनेवाले अपने आसपास के वयस्कों के सभी कार्यों की लंबी सूची बनाइए। उन्हें आप किस तरीके से वर्गीकृत कर सकते हैं? अपने उत्तर की व्याख्या कीजिए।

उत्तरः जीविका के लिए काम करने वाले आस–पास के वयस्कों को हम निम्नलिखित आधार पर वर्गीकृत कर सकते हैं

(क) कार्य की प्रकृति के आधार पर वर्गीकरण

1. प्राथमिक क्षेत्र–वे सभी आर्थिक क्रियाएँ जो प्राकृतिक संसाधनों के प्रयोग द्वारा की जाती हैं उन्हें प्राथमिक क्षेत्र में रखा जाता है, जैसे–कृषि कार्य, खनन कार्य, मत्स्य पालन आदि।

2. द्वितीयक क्षेत्र–इस क्षेत्र में प्राथमिक क्षेत्र से प्राप्त विभिन्न उत्पादों का प्रयोग करके विभिन्न उपयोगी वस्तुओं का निर्माण किया जाता है, जैसे–कपास से कपड़ा बनाना, गन्ने से चीनी

© JCERT not to be republished

बनाना आदि।

3. तृतीयक क्षेत्र–इस क्षेत्र में किसी वस्तु का निर्माण नहीं किया जाता बल्कि सेवाएँ प्रदान की जाती हैं। ये सेवाएँ प्राथमिक तथा द्वितीयक क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसके अंतर्गत बैंकिंग, बीमा रेलवे संचार एवं परिवहन आदि को शामिल किया जाता है।

(ख) रोजगार की दशाओं के आधार पर वर्गीकरण– रोजगार की दशाएँ किस प्रकार की हैं इस आधार पर हम इसे दो भागों में बाँट सकते हैं।

1. संगठित क्षेत्र तथा 2. असंगठित क्षेत्र ।

1. संगठित क्षेत्र–इसमें वे गतिविधियाँ आती हैं जिनमें रोजगार की अवधि नियमित होती है तथा इन्हें सरकारी नियमों को मानना पड़ता है।

2. असंगठित क्षेत्र–ये क्षेत्र सरकारी नियंत्रण से बाहर होता है। इसमें रोजगार की अवधि तथा नियम, आदि निश्चित नहीं होते।

(ग) उद्योगों के स्वामित्व के आधार पर वर्गीकरण– विभिन्न औद्योगिक इकाइयाँ किसके स्वामित्व में हैं इस आधार पर इनका वर्गीकरण सार्वजनिक तथा निजी उद्योगों में किया जा सकता है।

उपरोक्त आधारों पर हम अपने आस–पास के लोगों को इस प्रकार से सूचीबद्ध कर सकते हैं।

1. किसान	प्राथमिक	असंगठित	निजी
2. सरकारी स्कूल के अध्यापक	तृतीय	संगठित	सार्वजनिक
3. वकील	तृतीय	संगठित	सार्वजनिक
4. दर्जी	तृतीय	असंगठित	निजी
5. धोबी	तृतीय	असंगठित	निजी
6. डाकिया	तृतीय	संगठित	सार्वजनिक
7. श्रमिक	द्वितीय	संगठित	निजी
8. लिपिक	तृतीय	संगठित	सार्वजनिक

© JCERT not to be republished

1. प्राथमिक क्षेत्र		
2. तृतीयक	संगठित	सार्वजनिक क्षेत्र
3. तृतीयक	संगठित	सार्वजनिक क्षेत्र
4. तृतीयक	असंगठित	सार्वजनिक क्षेत्र
5. तृतीयक	असंगठित	निजी क्षेत्र
6. तृतीयक	संगठित	सार्वजनिक क्षेत्र
7. तृतीयक	संगठित,	निजी क्षेत्र
8. तृतीयक	संगठित	सार्वजनिक क्षेत्र

प्रश्न 9. तृतीयक क्षेत्रक अन्य क्षेत्रकों से भिन्न कैसे हैं? सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

उत्तरः प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्रकों में किसी वस्तु का निर्माण किया जाता है जबकि तृतीयक क्षेत्र में किसी वस्तु का उत्पादन नहीं किया जाता बल्कि सेवाएँ प्रदान की जाती हैं। तृतीयक क्षेत्रक की गतिविधियाँ प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्रक के विकास में मदद करती हैं। जैसे–प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्रक में उत्पादित वस्तुओं को ट्रकों और ट्रेनों द्वारा एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाना तथा बाजार में बेचना आदि तृतीयक क्षेत्रक के द्वारा किया जाता है। प्राथमिक व द्वितीयक क्षेत्रक की क्रियाओं में बैंकों, टेलीफोन, बीमा कंपनियों की आवश्यकता होती है। ये सभी तृतीयक क्षेत्रकों के उदाहरण हैं। इस प्रकार तृतीयक क्षेत्रक सेवाएँ प्रदान करता है जिनका उपयोग प्राथमिक व द्वितीयक क्षेत्रक की क्रियाओं के विकास के लिए किया जाता है।

प्रश्न 10. प्रच्छन्न बेरोजगारी से आप क्या समझते हैं? शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से उदाहरण देकर व्याख्या कीजिए।

उत्तरः प्रच्छन्न बेरोजगारी से अभिप्राय ऐसी परिस्थिति से है जिसमें लोग प्रत्यक्ष रूप से काम करते दिखाई दे रहे हैं किंतु वास्तव में उनकी उत्पादकता शून्य होती है। अर्थात् यदि उन्हें उनके काम से हटा दिया जाए तो भी कुल उत्पादकता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। भारत के गाँवों में कृषि क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर प्रच्छन्न बेरोजगारी पाई जाती है। जैसे–भूमि के एक छोटे से टुकड़े पर जरूरत से ज्यादा श्रमिक काम करते हैं क्योंकि उनके पास कोई और काम नहीं होता। इससे प्रच्छन्न बेरोजगारी की स्थिति पैदा होती है। इसी प्रकार शहरों में प्रच्छन्न बेरोजगारी छोटी दुकानों में तथा छोटे व्यवसायों में पाई जाती है।

प्रश्न 11. खुली बेरोजगारी एवं प्रच्छन्न बेरोजगारी के बीच विभेद कीजिए।

उत्तरः खुली बेरोजगारी– वह परिस्थिति जिसमें किसी देश में श्रम शक्ति तो अधिक होती है किंतु औद्योगिक ढाँचा छोटा होता है, वह सारी श्रम शक्ति को नहीं खपा पाता अर्थात् श्रमिक काम करना चाहता है किंतु उसे काम नहीं मिलता। यह बेरोजगारी भारत के अधिकतर औद्योगिक क्षेत्र में पाई जाती है।

प्रच्छन्न या गुप्त बेरोजगारी– वह परिस्थिति जिसमें व्यक्ति काम में लगे हुए दिखाई देते हैं किंतु वास्तव में वे बेरोजगार होते हैं। जैसे–भूमि के टुकड़े पर आठ लोग काम कर रहे हैं किंतु उत्पादन

© JCERT not to be republished

उतना ही हो रहा है जितना पाँच लोगों के काम करने से होता है। ऐसे में तीन अतिरिक्त व्यक्ति जो काम में लगे हैं वह छुपे हुए बेरोजगार हैं क्योंकि उनके काम से उत्पादन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

प्रश्न 12. भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में तृतीयक क्षेत्रक कोई महत्त्वपूर्ण भूमिका नहीं निभा रहा है।" क्या आप इससे सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में कारण दीजिए।

उत्तरः किसी भी देश के आर्थिक विकास में तृतीयक क्षेत्रक की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। सभी विकसित देशों में सकल घरेलू उत्पाद का अधिकांश भाग तृतीयक क्षेत्रक से ही प्राप्त होता है। हम इस कथन से सहमत नहीं हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में तृतीयक क्षेत्रक कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं निभा रहे हैं। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि भारत के सकल घरेलू उत्पाद में तृतीयक क्षेत्र की भागीदारी में वृद्धि हुई है। क्योंकि योजनाकाल के दौरान वर्ष 1973 से 2003 तक 30 वर्षों मे यद्यपि सभी क्षेत्रों में उत्पादन में वृद्धि हुई किंतु तृतीयक क्षेत्रक के उत्पादन में सर्वाधिक वृद्धि हुई । इस काल में प्राथमिक क्षेत्रक की हिस्सेदारी 25% थी जबकि तृतीयक क्षेत्रक की हिस्सेदारी कोई 50% थी। इसी प्रकार रोजगार के आधार पर तृतीयक क्षेत्र में रोजगार वृद्धि की दर लगभग 300 प्रतिशत रही है जो द्वितीयक व प्राथमिक क्षेत्र से कहीं ज्यादा है।

आरेख 1 – जी.डी.पी. में क्षेत्रकों की हिस्सेदारी (%)

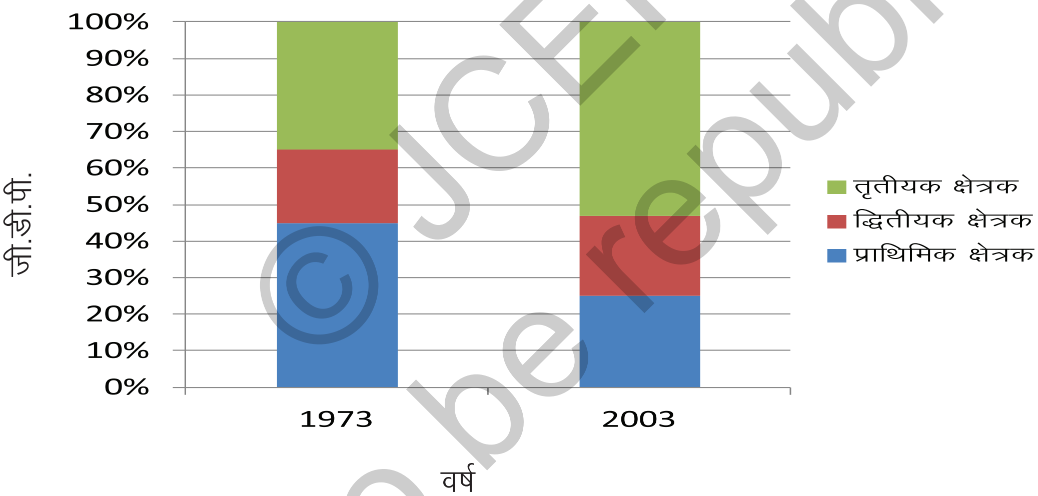

प्रश्न 13. भारत में सेवा क्षेत्रक दो विभिन्न प्रकार के लोग नियोजित करता है।" ये लोग कौन हैं?

उत्तरः भारत में सेवा क्षेत्रक में दो विभिन्न प्रकार के लोग नियोजित करते हैं। हम इस कथन से पूर्णतः सहमत हैं। भारत में ये दो प्रकार के लोग हैं– 1. अत्यंत कुशल और शिक्षित श्रमिक, 2. अकुशल तथा अशिक्षित श्रमिक। सेवा के क्षेत्र में अत्यंत कुशल और शिक्षित श्रमिक इसलिए लगे हैं क्योंकि आधुनिकीकरण के साथ–साथ सेवा क्षेत्रक में वृद्धि हो रही है। सूचना प्रौद्योगिकी के कारण अत्यंत कुशल श्रमिकों की सेवा क्षेत्रक में आवश्यकता पड़ती है। दूसरी ओर बहुत अधिक संख्या में लोग छोटी दुकानों, मरम्मत कार्यों, परिवहन इत्यादि सेवाओं में लगे हुए हैं। ये अकुशल व अशिक्षित श्रमिक हैं। ये लोग बड़ी मुश्किल से जीविका निर्वाह कर पाते हैं और वे इन सेवाओं में इसलिए लगे हुए हैं क्योंकि उनके पास कोई अन्य वैकल्पिक अवसर नहीं हैं।

© JCERT not to be republished

प्रश्न 14. "असंगठित क्षेत्रक में श्रमिकों का शोषण किया जाता है। क्या आप इस विचार से सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में कारण दीजिए।

उत्तरः असंगठित क्षेत्रक छोटी–छोटी और बिखरी इकाइयों से निर्मित होता है। इसमें नियमों का अनुपालन नहीं होता है। यहाँ कम वेतनवाले रोजगार हैं। यहाँ अतिरिक्त समय में काम करने, सवेतन छुट्टी, बीमारी के कारण छुट्टी इत्यादि का कोई प्रावधान नहीं है। श्रमिकों को बिना किसी कारण काम से हटाया जा सकता है। असंगठित क्षेत्रक में श्रमिक कम वेतन पर काम करते हैं। उनका प्रायः शोषण किया जाता है। उन्हें उचित मजदूरी नहीं दी जाती। उनकी आय कम होती है और नियमित नहीं होती। इस रोजगार में संरक्षण नहीं है और न ही इसमें कोई लाभ है। प्रष्न

प्रश्न 15. आर्थिक गतिविधियाँ रोजगार की परिस्थितियों के आधार पर कैसे वर्गीकृत की जाती हैं?

उत्तरः रोजगार की परिस्थितियों के आधार पर आर्थिक गतिविधियों को दो वर्गों में बाँटा जा सकता है–

1. संगठित क्षेत्रक, 2. असंगठित क्षेत्रक।

1. संगठित क्षेत्रक– संगठित क्षेत्रक में वे उद्यम अथवा कार्य स्थल आते हैं, जहाँ रोजगार की अवधि नियमित होती है। ये क्षेत्रक सरकार द्वारा पंजीकृत होते हैं। उन्हें सरकारी नियमों और विनियमों का पालन करना होता है। इसे संगठित क्षेत्रक कहते हैं। इसमें कर्मचारियों को रोजगार सुरक्षा के लाभ मिलते हैं। उनसे एक निश्चित समय तक ही काम करने की आशा की जाती है। यदि वे अधिक काम करते हैं तो उन्हें अतिरिक्त वेतन दिया जाता है। वे सवेतन छुट्टी, अवकाश काल में भुगतान, भविष्य निधि, सेवानुदान पाते हैं। वे सेवानिवृत्ति पर पेंशन भी प्राप्त करते हैं।

2. असंगठित क्षेत्रक – असंगठित क्षेत्रक छोटी–छोटी और बिखरी इकाइयों से निर्मित होता है। ये इकाइयाँ अधिकांशतः सरकारी नियंत्रण से बाहर होती हैं। इसमें नियमों और विनियमों का पालन नहीं होता । यहाँ कम वेतनवाले रोजगार हैं। और प्रायः नियमित नहीं हैं। यहाँ अतिरिक्त समय में काम करने, सवेतन छुट्टी, अवकाश, बीमारी के कारण से छुट्टी इत्यादि का कोई प्रावधान नहीं है। रोजगार में भारी अनिश्चितता है। श्रमिकों को बिना किसी कारण के काम से हटाया जा सकता है। इस रोजगार में संरक्षण नहीं है तथा कोई लाभ नहीं है।

प्रश्न 16. संगठित और असंगठित क्षेत्रकों की रोजगार परिस्थितियों की तुलना करें।

उत्तरः संगठित और असंगठित क्षेत्रकों की रोजगार परिस्थितियों में बहुत अंतर पाया जाता है। इन दोनों क्षेत्रकों की तुलना निम्नलिखित प्रकार से कर सकते हैं

© JCERT not to be republished

क्र0 सं0	संगठित क्षेत्र	असंगठित क्षेत्र
1.	ये क्षेत्रक सरकार द्वारा पंजीकृत होते है।	ये क्षेत्रक सरकार द्वारा पंजीकृत नहीं होते है।
2.	इसमे सरकारी नियमों विनियमों का पालन किया जाता है।	इसमे सरकारी नियमों विनियमों का पालन नहीं किया जाता है।
3.	यहाँ रोजगार की अवधि नियमित होती है।	यहाँ रोजगार की अवधि नियमित होती नहीं है।
4.	इस क्षेत्रक में कर्मचारियों को रोजगार – सुरक्षा के लाभ मिलते हैं। उन्हें सवेतन छुट्टी, भविष्य निधि, सेवानुदान आदि प्राप्त होता है।	इस क्षेत्रक में कर्मचारियों को रोजगार–सुरक्षा के लाभ निहीं मलते हैं। उन्हें सवेतन छुट्टी, भविष्य निधि, सेवानुदान आदि का कोई प्रावधान नहीं होता है।
5.	सरकारी संस्थानों, सरकारी सहायता प्रप्त संस्थाओं तथा बड़ी–बड़ी कंपनियों में काम करना इसके उदाहरण हैं।	इसमें भूमिहीन श्रमिक,छोटे किसान, सड़कों पर विक्रय करने वाले श्रमिक तथा कबाड़ उठाने वाले लोग शामिल है।

प्रश्न 17. नरेगा अ० 2005 (NREGA 2005) के उद्देश्यों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर: केंद्र सरकार ने भारत के 200 जिलों में काम का अधिकार' लागू करने के लिए एक कानून बनाया है। इसे 'राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम 2005' (NREGA 2005) कहते हैं। इसके प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं

1. उन सभी ग्रामीण लोगों को जो काम करने में सक्षम हैं और जिन्हें काम की जरूरत है, को सरकार द्वारा वर्ष में 100 दिन के रोजगार की गारंटी दी गई है।
2. यदि सरकार रोजगार उपलब्ध कराने में असफल रहती है तो वह लोगों को बेरोजगारी भत्ता देगी।
3. इस अधिनियम में उन कामों को वरीयता दी जाएगी, जिनसे भविष्य में भूमि से उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी।

प्रश्न 18. अपने क्षेत्र से उदाहरण लेकर सार्वजनिक और निजी क्षेत्रक की गतिविधियों एवं कार्यों की तुलना कीजिए।

उत्तर: सार्वजनिक क्षेत्रक–वे उद्योग जो सरकारी तंत्र के अधीन होते हैं सार्वजनिक उद्योग कहलाते हैं, जैसे–भारतीय रेल, लोहा–इस्पात उद्योग, जहाज निर्माण आदि। सार्वजनिक क्षेत्र में ऐसी वस्तुओं या सेवाओं का निर्माण होता है जो लोगों के लिए कल्याणकारी है। इनका उद्देश्य निजी हित या लाभ कमाना नहीं होता बल्कि सार्वजनिक लाभ इनका उद्देश्य होता है। इस क्षेत्र में वस्तुओं एवं सेवाओं की कीमत का निर्धारण सरकार द्वारा किया जाता है।

निजी क्षेत्रक–वे उद्योग जो निजी व्यक्तियों के स्वामित्व में होते हैं निजी क्षेत्रक कहलाते हैं। इसमें वे उद्योग आते हैं जो आम जनता की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं जैसे–टेलीविजन, एयर कंडीशनर, फ्रिज आदि बनाने वाले उद्योग। ये गतिविधियाँ निजी लाभ कमाने के उद्देश्य से की

© JCERT not to be republished

जाती हैं। निजी क्षेत्र कल्याणकारी कार्य करने के लिए बाध्य नहीं है। यदि वह ऐसा कोई काम करता भी है तो उसकी अधिक कीमत लेता है जैसे–निजी विद्यालय, सरकारी विद्यालयों से अधिक फीस वसूलते हैं। निजी क्षेत्र के उद्योगों में वस्तुओं की कीमतों का निर्धारण बाजारी की शक्तियों द्वारा होता है।

प्रश्न 19. अपने क्षेत्र से एक–एक उदाहरण देकर निम्न तालिका को पूरा कीजिए और चर्चा कीजिएः

उत्तरः विद्यार्थी इस कार्य को स्वयं करें । सुव्यवस्थित प्रबंध वाले संगठन में वे संगठित क्षेत्र तथा अव्यवस्थित प्रबंध वाले संगठन में वे असंगठित क्षेत्र का हवाला दे सकते हैं।

	सुव्यवस्थित प्रबंध वाले संगठन	अव्यवस्थित प्रबंध वाले संगठन
सार्वजनिक क्षेत्रक		
निजी क्षेत्रक		

प्रश्न 20. सार्वजनिक क्षेत्र की गतिविधियों के कुछ उदाहरण दीजिए और व्याख्या कीजिए कि सरकार द्वारा इन गतिविधियों का कार्यान्वयन क्यों किया जाता है?

उत्तरः सार्वजनिक क्षेत्रक की गतिविधियों के तीन उदाहरण हैं–डाकघर, रेलवे तथा बैंक आदि। इन गतिविधियों का संचालन सरकार करती है। इसके कई कारण हैं–

1. ये ऐसी चीजें हैं जिनकी आवश्यकता समाज के सभी सदस्यों को होती है। परंतु इन्हें निजी क्षेत्रक उचित कीमत पर उपलब्ध नहीं कराते हैं, क्योंकि इनमें व्यय बहुत अधिक होता है।
2. कुछ गतिविधियाँ ऐसी होती हैं जिन्हें सरकारी समर्थन की जरूरत पड़ती है। निजी क्षेत्रक उन व्यवसायों को तब तक जारी नहीं रख सकते जब तक सरकार उन्हें प्रोत्साहित नहीं करती।
3. अधिकतर आर्थिक गतिविधियाँ ऐसी हैं जिनकी प्राथमिक जिम्मेदारी सरकार पर है। इन पर व्यय करना भी सरकार की अनिवार्यता है।

प्रश्न 21. व्याख्या कीजिए कि किसी देश के आर्थिक विकास में सार्वजनिक क्षेत्रक कैसे योगदान करता है?

उत्तरः किसी देश के आर्थिक विकास में सार्वजनिक क्षेत्रक का महत्त्वपूर्ण योगदान होता है क्योंकि सार्वजनिक क्षेत्रक का उद्देश्य लाभ कमाना नहीं होता। सभी महत्त्वपूर्ण गतिविधियों का संचालन सार्वजनिक क्षेत्रक के द्वारा किया जाता है। ऐसी गतिविधियाँ जिनकी आवश्यकता समाज के सभी सदस्यों को होती है, जैसे सड़कों, पुलों, रेलवे, पत्तनों, बिजली आदि का निर्माण और बाँध आदि से सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराना सार्वजनिक क्षेत्रक का काम है। सरकार ऐसे भारी व्यय स्वयं उठाती है। सरकार किसानों को उचित मूल्य दिलाने के लिए गेहूँ और चावल खरीदती है। इसे अपने गोदामों में भंडारित करती है और राशन की दुकानों के माध्यम से उपभोक्ताओं को कम मूल्य पर बेचती है। इस प्रकार –सरकार किसानों और उपभोक्ताओं दोनों को सहायता पहुँचाती है। सभी के लिए स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाएँ उपलब्ध कराना जैसे प्राथमिक कार्य भी सार्वजनिक क्षेत्रक में आते हैं। समुचित ढंग से विद्यालय चलाना और गुणात्मक शिक्षा उपलब्ध कराना सरकार का कर्तव्य है। इस प्रकार किसी देश के आर्थिक विकास में सार्वजनिक क्षेत्रक का योगदान महत्त्वपूर्ण है।

© JCERT not to be republished

प्रश्न 22. असंगठित क्षेत्रक के श्रमिकों को निम्नलिखित मुद्दों पर संरक्षण की आवश्यकता है–मजदूरी, सुरक्षा और स्वास्थ्य। उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

उत्तरः असंगठित क्षेत्र के मजदूरों को मजदूरी, सुरक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर संरक्षण की आवश्यकता है। इसे निम्न प्रकार से स्पष्ट किया जा सकता है–

1. मजदूरी–असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को काम करने का समय निश्चित नहीं है उन्हें 10 से 12 घंटे तक बिना ओवरटाइम के कार्य करना पड़ता है। इन श्रमिकों में प्रायः रोजगार सुरक्षा का अभाव पाया जाता है। गरीबी के कारण ये प्रायः कम मजदूरी दरों पर काम करने को तैयार हो जाते हैं। इसलिए इन्हें इस संदर्भ में सुरक्षा दी जानी चाहिए। इनके भी काम करने के घंटे तथा मजदूरी निश्चित होनी चाहिए।
2. सुरक्षा–इस क्षेत्र के श्रमिक प्रायः जोखिम वाले कार्यों में संलग्न रहते हैं जैसे–ईंट उद्योग, कोयले की खानों आदि में कार्य करते हैं। अतः इनको सुरक्षा की गारंटी मिलनी चाहिए।
3. स्वास्थ्य–ये श्रमिक गरीब होते हैं। इनको पौष्टिक आहार नहीं मिल पाता। ये स्वास्थ्य के विपरीत परिस्थितियों में काम करते हैं। इन कारणों से इनकी स्थिति अच्छी नहीं होती। इनके स्वास्थ्य के संदर्भ में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए जाने चाहिए।

प्रश्न 23. अहमदाबाद में किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि नगर के 15,00,000 श्रमिकों में से 11,00,000 श्रमिक असंगठित क्षेत्रक में काम करते थे। वर्ष 1997–98 में नगर की कुल आय 600 करोड़ रुपये थी, इसमें से 320 करोड़ रुपये संगठित क्षेत्रक से प्राप्त होती थी। इस आँकड़े को सारणी में प्रदर्शित कीजिए। नगर में और अधिक रोजगार–सृजन के लिए किन तरीकों पर विचार किया जाना चाहिए?

उत्तर :

1997–98 मे अहमदाबाद नगर के आँकड़े

अर्थव्यवस्था के क्षेत्र	श्रमिकों की संख्या	आय (लाख रू. में)
संगठित	4,00,000	32,000
असंगठित	11,00,000	28,000
कुल	15,00,000	60,000

इन आँकड़ों के अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि संगठित क्षेत्र में असंगठित क्षेत्र की तुलना में कम श्रमिक लगे हैं। किंतु उनकी आय असंगठित क्षेत्र से ज्यादा है। इसका यह अर्थ हुआ कि असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों को बहुत कम वेतन मिलता है। नगर में अधिक रोजगार के सृजन के लिए इन तरीकों पर विचार किया जा सकता है।

उत्तरः

1. शिक्षा के स्वरूप को बदलना होगा। शिक्षा तकनीकी तथा व्यवसायिक हो ताकि अधिक–से–अधिक लोग काम में लगें।
2. लोगों को स्वरोजगार प्रारंभ करने के लिए उचित वित्तीय तथा तकनीकी सहायता प्राप्त करानी चाहिए।

© JCERT not to be republished

प्रश्न 24. निम्नलिखित तालिका में तीनों क्षेत्रकों का सकल घरेलू उत्पाद (जी०डी०पी०) रुपये (करोड़) में दिया गया है ।

वर्ष	प्राथमिक	द्वितीयक	तृतीयक
1950	80,000	19,000	39,000
2000	3,14,000	2,80,000	5,55,000

1. वर्ष 1950 एवं 2000 के लिए जी०डी०पी० में तीनों क्षेत्रकों की हिस्सेदारी की गणना कीजिए।
2. अध्याय में दिए आरेख–2 के समान इसे दंड–आरेख के रूप में प्रदर्शित कीजिए।
3. दंड–आरेख से हम क्या निष्कर्ष प्राप्त करते हैं?

उत्तर :

1

वर्ष	प्राथमिक	द्वितीयक	तृतीयक
1950	58%	14%	28%
2000	27%	25%	48%

2. इस तालिका के आधार पर इस दंड रेखा का निर्माण किया जा सकता है –

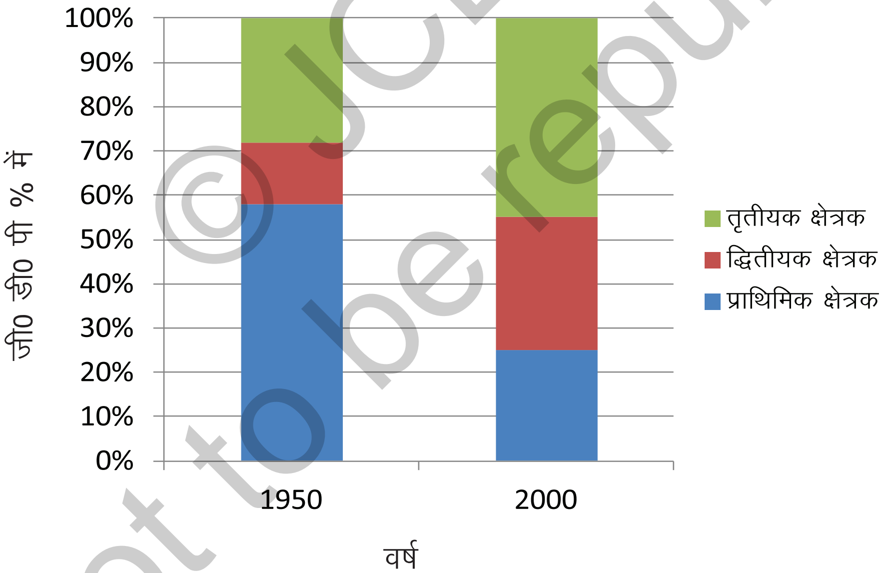

3. इस दण्ड आरेख से सिद्ध होता है कि सकल घरेलू उत्पाद में जहाँ प्राथमिक क्षेत्र का योगदान 58% से 27% (कम) हो गया है, वहीं द्वितीयक तथा तृतीयक क्षेत्रकों में वृद्धि हुई है। द्वितीयक क्षेत्र का हिस्सा 14% से 25% हो गया तथा तृतीयक क्षेत्र का हिस्सा 28% से 48% हो गया।

© JCERT not to be republished